CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 5 समसामयिक विश्व एवं भारत (क)	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objective

- समसामयिकता के स्वरूप की जानकारी देना।
- समसामयिक विश्व और भारत के महत्त्व से परिचित कराना।
- समसामयिक वैश्विक परिदृश्य से जुड़े क्षेत्रों में रोजगारपरक संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी समसामयिकता की अवधारणा से परिचित होंगे।
- समसामयिक विश्व के परिप्रेक्ष्य में भारत के महत्त्व और गौरव को समझेंगे।
- रोजगार की संभावनाएँ विकसित होंगी।

इकाई-1 समसामयिक विश्व : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- समसामयिकता: अर्थ और अवधारणा
- समसामयिक घटनाएँ और विश्व
- समकालीन विश्व और मीडिया

इकाई-2 समसामयिक विश्व और राजनीति **10 घंटे**

- समसामयिक विश्व में लोकतंत्र
- सामयिक मुद्दे और वैश्विक राजनीति
- वैश्वीकरण और भारत

इकाई-3 समसामयिक विश्व और भारत **10 घंटे**

- वैश्विक मंच और भारत
- जियो पॉलिटिक्स और भारत
- बहु-ध्रुवीय विश्व और भारत

इकाई-4 समकालीन विश्व मुद्दे और चुनौतियां **15 घंटे**

- एजेंडा सेटिंग और वैश्विक मीडिया
- समसामयिक पर्यावरणीय मुद्दे और मीडिया

- युद्ध आतंकवाद, ग्रीन एनर्जी, योग, स्वास्थ्य पोषण और मीडिया

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- प्रिंट अथवा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में भारत और उसके पड़ोसी देशों के सम्बन्धों की मीडिया कवरेज का अध्ययन और रिपोर्ट प्रस्तुति।
- वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका केन्द्रित केस स्टडीज़।
- वैश्विक मुद्दों और जियो पॉलिटिक्स पर समूह चर्चा।
- भारत की छवि का निर्माण और वैश्विक मीडिया (अलजजीरा, सी एन एन,बी बी सी न्यूज़ आदि) - साक्षात्कार केस स्टडीज़।
- विभिन्न वैश्विक मुद्दों - युद्ध ,आतंकवाद, ग्रीन एनर्जी, योग, स्वास्थ्य पोषण आदि पर रिपोर्ट तैयार करना एवं पी पी टी प्रस्तुति।
- अंतरराष्ट्रीय मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित मुद्दों पर समूह चर्चा।

सहायक पुस्तकें:

- भारत एवं विश्व - सी पी नेमा एवं सी त्रिपाठी - कॉलेज बुक डिपो , विश्व भारती पब्लिकेशन्स ,जयपुर
- इंडिया अर्थात भारत - उपनिवेशिकता ,सभ्यता , संविधान - जे साईं दीपक , ब्लूमबेरी इंडिया
- समकालीन भारत - डॉ. मनोहर प्रभाकर , प्रो. संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
- भारत महान का विश्व को अवदान - डॉ रमेश चंद्र यादव 'कृष्ण '- आर्यावर्त संस्कृति संस्थान
- भारतीय राजनीति - सिद्धान्त समस्याएँ और सुधार - डॉ सुभाष काश्यप ,विश्व प्रकाश गुप्त , राधा पब्लिकेशन्स